

इ. वि. का. राजनाडे संशोधन मंडळ घुक्के.

—हस्त—

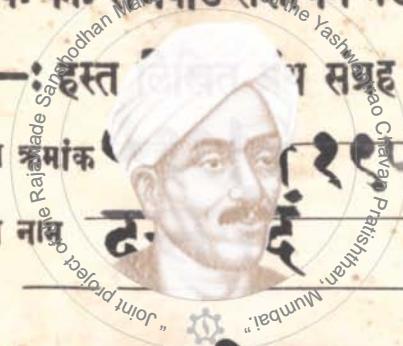
—सग्रहः—

ग्रंथ
समांक

ग्रंथ
नाम

विषय
मराठी काव्य

२५७(३६)



"Joint Project of
Rajnade Sangodhan Mandal, Ucole and the Yashwant
Co-operative Pratishthan, Mumbai."

"Joint Project of
Rajnade Sangodhan Mandal, Ucole and the Yashwant
Co-operative Pratishthan, Mumbai."



H 2128
S.I. 38

H 2128

H 2128



2014-11-11

89414 986



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavali Trust, Nashik, Mumbai"

गणिराज

प्रधान



Join us at Shambhavi Mandal, Dhule, 2023
Yoga & Mantra Chavhan Prakashan, Mumbai

॥ श्री ॥

॥ आतःस्मरामी भोपाल्या ॥

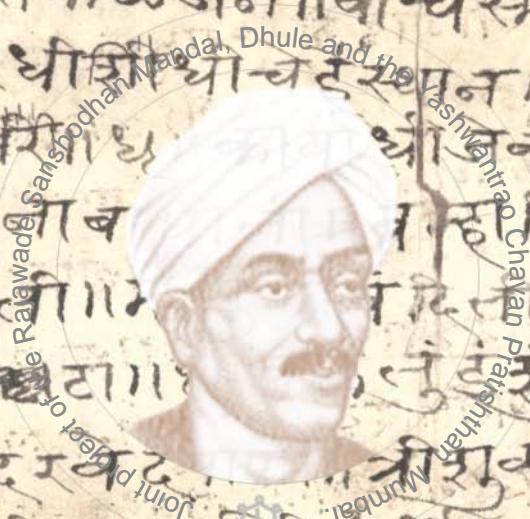
गणपती चीभोपाल्या
 उटिगुटिबाग मलाधा। वोलेपावतीमा
 ता॥ प्रभा रजा॥ रत्ना दाखवीस
 मस्ता श्रीमुखा॥ अंतोघन
 आरती॥ शामा॥ शांता॥ दया॥
 वोनाकौम्भा॥ गीभण नाथा॥
 उठी॥ थ। उठी॥ नर्वहीगण॥ उभे
 आसती करजाइन्॥ तशीतआले
 षकजाहान॥ प्रेमैदर्जनिघ्याया हा॥ उठे
 ॥ २॥ अम्हावीणुरुद्धगण॥ नारदैकुस
 जन॥ शार्थीनातीलुजन्मागुन॥ देहै
 शनिप्रेमेत्या॥ उठिए॥ शर्तेसेरोकूलगण
 नाथ॥ गाल्कपानीधींलांग्रन्॥ ब-



*Joint Project of
Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwant Rao Chavhan Pratishthan, Mumbai*

लामजहार्षभरित॥ होठनन्नेआनंद॥
ठटी॥४॥

ममतीकीभोपाल्कीदुसरित्रा
उठाउहोसकक्जन॥ वा-वस्मराशोगत्या
नन॥ रिधीश्चाच्छस्मन॥ स्मल्लीकी
न्द्यनीवाग्याधि
शीकीन्द्यनीब
कीप्रतीती॥५॥
ना॥ उठाउठाटा॥६॥
गोस्थिघुट्टरकर
कथकीनी॥ कायनीघ्यकीकरिसदा॥७॥
य॥ राज्ञोखमाल्यात्याशाभती॥ काले
पितांबरजरिकाई॥ कायीसुरीचीप्र
भाफांकीती॥ स्मल्लीकीन्द्यदुरकरि॥
एठी॥८॥ एसेहेगणपतीचेध्यान॥
प्रातःकांकीकरिवामन॥ भवतापेपाठ



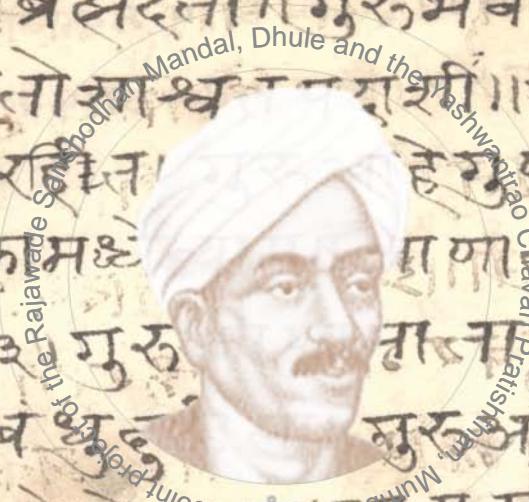
Sanskrut Sanskrit
of Raawadee Sanskrit
Samsodhan Mandal, Dhule and the
Vashwantrao Chavhan Pratinidhi
Joint Project of the Raawadee
and Vashwantrao Chavhan
Pratinidhi, Mumbai

३

लोजाण॥ दुरकरि गणनाथ॥ तुष्टा॥ ४॥
 सरस्वती-भीमोपाकी प्रारभः
 उटुनीया प्रातः काञ्ची॥ आधीवंदवेद्मानुगी॥
 इद्रादिकानी गाइ की॥ आपुरुकाये रसाधाया॥ ५॥
 संतसाधु प्रपंची का
 कारिती॥ जाज्ञा प्र
 र्ती उटुनीया॥ उटु
 रती॥ दाशी उभ्या
 र आले महणती॥ ६॥
 तो से तो कुनज गंन माय हंसा वरि रुठहोया
 बालमजा हाइ साक्षा॥ देह दर्शन भ काशी॥ तुष्ट
 नीया प्रातः काञ्ची॥ ७॥

गुरुकी भीमोपाकी प्रारभः
 जानी प्रभास उष्टा आती॥ आदिस्मरागुरु
 नाथा॥ तेणैतु मनीभनव्यथा॥ दुरकरि
 गुरुराया॥ ८॥

गुरुब्रह्माहोश्चीधरा॥ गुरुजाणातोरी
कर॥ गुरुविंशेन से थोर॥ प्रीभुवनीहीं
डता॥ १॥ गुरुवीव्याशीकंकीता॥ गुरु
ब्राह्मणाब्रह्मदेता॥ गुरुभवत्तापहार
लो॥ नेतोशाश्वर् दश्वरी॥ २॥ गुरुजा
णानाबरहीन॥ हे गुणातीन॥ गु
रुसकलामधं
धार॥ ३॥ गुरु
रुश्रेष्ठष्ठु
लीता॥ नेतोशाश्वरपहार॥ ४॥ तोशा
जायें गुरुथोर॥ बालाभजनीरधार॥
करिभवपार॥ क्रपावंतगुरुराजा॥
॥ ५॥ भोपाळीहैत
उहिउठीबाहैताभया॥ बोलेंमाता



Saint Prabodhan Mandal, Dhule and the Pishwadrao Chavari Pratishthan, Mumbai

५

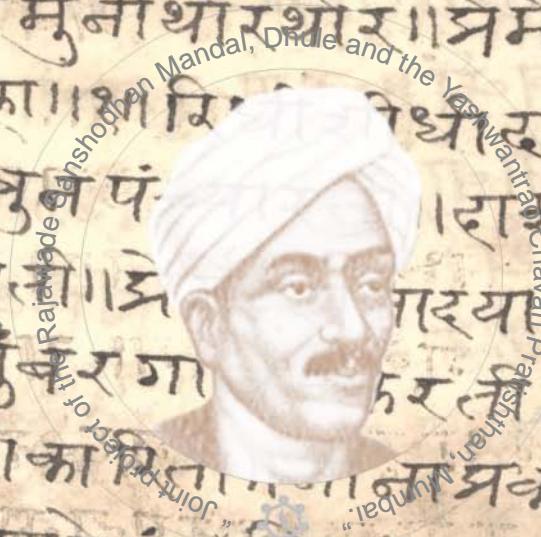
आनुसया॥ मीनआनाबादुदया॥
देइदर्शनसक्षीका॥ छू॥ ब्रह्मावी
ष्यमहश्वरा॥ इद्रादिसक्तस्करवर
॥ अालमुनीथोरथोर॥ प्रमेहशील
थायामा॥ अरि नेधाद्याप्रीती॥

दाइडुभ्या
गदयानीधे॥ २॥

नरती॥ अपुमा
कार्यासाकारता॥ जाग्रकारस्तुती
गाती॥ सारेऽंधा मीवानीया॥ ३॥

ऐसेतैकुनिकृपाकरि॥ जामात्याग
नस्ततआप्री॥ दिनाधरिकरिप्रीती॥

देइदर्शनसक्षीका॥ ४॥ गंधवीदि
स्करवरा॥ करतीवाद्याचागजर॥



"Joint portrait of Rajendra Ganshopden Mandal, Dhule and the Year Wantrao Chavhan Prajatantra, Mumbai"

बात्मामत्तुआहवेनावीरसरा॥करिभव
पारनीकृत्येष॥४॥

ज्योतीकृग ॥५॥
उदुनीयाप्रातंगम्भी॥समराहाराली
गेसोज्वली॥६॥ मात्रीपापधुक्ती
होचुनपावा ॥७॥ सोराष्ट्रामृतकाभर्ती॥
सोमनाथ॥८॥ नांदतसेएकी
माहाकाम्भुज हो॥९॥ चेत्तव वरामृतरा॥उँकार
मामत्तुश्वरा॥गोत्तमतद्यात्रीजकेश्व
र॥१०॥ गणतुमीर्धारे॥११॥ वारा
शीवीश्वेश्वरे॥वैद्यश्वाथमाहथो
र॥दारुकावनीनागेश्वर॥१२॥ नांदतसे
आनंद॥१३॥ प्रस्वातआडेकेदारेश्व



"Join the effect of Sanskrit Mandal, Dhule and the Yash Mantra Pratishthan, Mumbai"

६
सा लै साहो श्री मारकर॥ ऐ शी बारा
की गेजाण॥ चुस्मधर वे सुँझी॥ ४

गणपती

गणयो गणपती॥ माझी वीनं तीलु
शापती॥ चुधे गी मन प्रती॥ आ
भक्त मी मदः
कुती॥ उआभ
कीली तुझी कु
नी शांचे शी॥ मुकुर करावी सज्जान
राशी॥ ऐ कुन गणराज वीनं ती॥
बसले माहाराज उग्रनना प्रती॥
गंधर्धुप ने वे ह्या दिघे कुन मगले
खखीजा कु॥ मोहक विद्याये कुन



"Joint Project of the Rajawade Sansadhan Mandal, Dhule and the Yashwant Rao Chavara Platishwar Mumbai."

हार्षके॥ वामनदासाखखीकेके॥
मगङ्गमोत्तीमोरथा॥१॥

आरतीमारुती
राममुद्रायेवुनकइकडशब्देवुडाल्मा
॥ गगनारुच्य शिंशुजवधीआ
ल्मा॥ तेथं प्री
ल्मा॥ अरुद्वा
ककनेल्मा॥ तो
आरतीबातो॥ तुकवीशीभव
समुंद्रा॥२॥ औरुखयामारुल्मका
इंधकेल्मी॥ भुभु-कारकल्मीवं
देराममारुल्मी॥ तो सयेशब्दं पाहु
नस्फरवरेगाईल्मा॥ तो हुवामन
दासभ्रावेवणीमापत्तमुद्यदेव

Joint Project of
Rajewade Sanskrit Mandal, Dhule and the
Shwanee Chawas Prashikhan
Dhambal

आरतीसुखनारायण
मुक्तिमुक्तपुरुषज्ञाण॥ तीनीरुक्ति
पाहाता आनंदेमन॥ अरुण सारथी
सप्तमुखी अध्यज्ञाण॥ यारथी बस
शीहाथेकरुने॥ शारदा नयदेवज
यआदिला॥
ता॥ धृ॥ १॥ इं
शीदिन भुद
होनव्याद्युद
घानतीनरथा चक्रशीरोगहार
ण॥ लंब॥ २॥ केतनेतद्वापाराता॥
होव्यातवमुतीमनुषात॥ कलीनी
घताराहतीयागुप॥ परिदिसशी
लुब्रं म्हाष्टांत॥ लंब॥ ३॥ रोसातुथो
रनक्के कोण अंति॥ आहरव्यार



Digitized by srujanika@gmail.com

वणीता जाके स्तंष्टीत ॥ भुधरस्तं
ष्टीत हो बुनडोकत ॥ बाला मूज
नामः स्मण होइ त्रस ॥ जय ॥ ४० ॥

आठतीक्ष्णी
सुरासुरिश्च करिता मंथन
॥ नीघरीच नहरन ॥ मा
क्षधातन हु
ही आवत्ता रि
सुरामद्वा ॥
स्त्रिधुनं दिना ॥ संकटनाशन भवता
पहा । रणी ॥ ६ ॥ नाना कृपी नाना तु
झ आवत्ता र ॥ गा बुन शबा करिन
नीरंतर ॥ आठरासा हाइ मले लेच्या
र ॥ लेथें कायवर्णि निरपामर ॥ ७ ॥
लवक्ष पाहोत्तारं कामा गुन ॥ याशी

देशी इंद्राचें अद्वितीय ॥ रौतव कुल
पचेमहिमान ॥ वरदेवुन शांतक
रिवामन ॥ जय ॥ ३ ॥ ॥ ५ ॥

आरती देवनाची
कलयुगीं त्रेना प्राप्ति ॥ पापी
आधमारुद्धरि ॥ भैरव ॥ दसदस
रौशैरुच्यारुत
क्षुभायेवोन ॥ हाश्ची प्रय से
यद्गत्रय ॥ वज्रदबज
कविशीभवमाय ॥ रुद्धनामें धौं
करशीन्नयकोकीं गमन ॥ शेषाचकी
आसेनीत्य उगमन ॥ माहरगडी
शोभेनीद्वास्थान ॥ काशीत करशीं
स्नाननीशि दिन ॥ जय ॥ ३ ॥ पंढरपु
रीनार्वीशीं चंदन ॥ कोस्त्रा पुणीकर



"Joint Project of the Rajawade Sanskrit Mandal, Dhule and the Leshwadrao Chavarekari Samiti, Mumbai"

१२

श्रीभीक्षा जाकुन॥ पुरपात्याकि
करइं भोजन॥ हृस्तधुरी तुक
जापुरीये वैन॥ लय॥ ३॥ रैसातु
मुक्तमाये चातन॥ कोणवणीगु
णतुर्सेआ॥ नाहिंद्रादिसुख
रजाहृसं
नामीत्रल

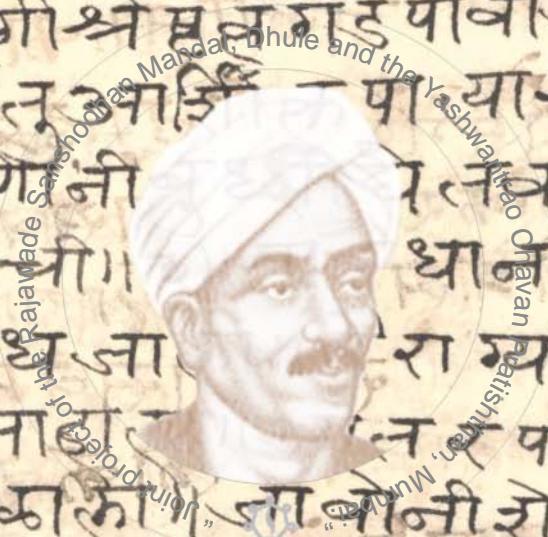
१। सर्वपन
ग्रहकामात
२। सर्वपन
ग्रहकामात

शाहुनगरिचेपंचमभागी॥ १॥
सत्तेसे संजन उर्मतरंगी॥ हृ
नीसकर्त्तसुखकावें॥ मुणुनीव
सत्त्रप्रीयभावें॥ १॥ वसणे उर्से
गडीसजनाचे॥ मुणोनीगडानाम
सजनाचे॥



"Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Vashishthachavans
of Shrivardhan, Mumbai."

जो गह की तीरु दया शी गेना ॥ ना
 मनी घता न मती तन याना ॥ क्षेपा
 कंटांशे गह आव तो की येना ॥ मृ तो
 णो नीज गी श्रे सुव गह पावी जेका ॥
 पाहे मना तुआँ - पा यार सलना
 ची ॥ मृण नी
 ची त प्रा ची ॥
 ना साव ध जा
 धित से साहा ॥ रा यश रेव
 इन तो पक्का ॥ ता लोनी शो बी गी
 त
 विकंदरा ॥ ४ ॥ तं थं रा बुन रा म
 वु पास नेन का ॥ तं पात रा बुन रा म भे
 ट बी ना गत य चेन्नी आजे तो को य शी
 का रा ॥ स्था पित से रा मदा शि सा
 मदा या ॥ ५ ॥ उगासा हा रा मदा सभा



"Join Project Digitization, Mumbai, Maharashtra, India
 Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwant Rao Ohavani
 Library, Mumbai, Maharashtra, India"

वत्तार॥ जाकुजि गीमारु तीरुद्ध
 थोर॥ कुपकारथनरवेशजाल
 ॥ भावेन मीवामन यापदाल
 ॥ ६॥

गणपती

गणराजगण
 करुणाकर
 कारा। ब्रंह
 वीर्याधरा॥०
 ॥ तुलपासो॥
 आनीवार॥ नोरुबीरुक विश्वनामी॥
 ते साहादासदिन॥ विन वितो हौसतना
 ॥ र॥ इन॥ आभयकुभाकी हेकुन॥ वरदे ई
 मुळवाहना॥ ते से रीकुन गणपती॥
 नाचतना चतुआलै प्रीती॥ पाइ पैज
 ण मजुक वाजती॥ पीता चरकासती



"Joint Project of the Rajawade Sanskruthan Mandal, Dhule and the Yashwantri Chawan Pratiushthana, Mumbai."

१९८

॥भावीमुगुठरोभतो॥कंधीहारनवरना
स्ता॥त्रीशुक्कुमरुहास्तात॥नामबंदम
नगषी॥हातीघेकुनमोदकबाईभगजमु
खरोभतसे॥बीबीतहीरारना-वा॥त्र
भातया-वीआ-वा॥सुलेणेकुनगण
पती॥बरसज्जन
डुशोपच्चारेपुर
दोसेदिली॥भावी
मयुष्या-याभाक्ष
लवुनी॥मोदकनेवस्ताजापीला॥हात
धुबोनवीडाघेतर्का॥दक्षणाथेदहआ
पीला॥प्रदक्षणानमस्कार॥करिदासवार
वार॥तेहाधरिक्तेआभयकरि॥वरदि
धर्कादासाला॥हीत्रार्थलाल्पनीलूज
न॥यावेहदईमीषरकन॥बृहीदई



Joint Project of the Rajawade Sanodhan Mandal, Dhule and the Teshwadrao Chavhan Bhawan, Mumbai.

न तथा न गुण ॥ याचे मना रथ करिं
 पुर्ण ॥ तुम्हा याचे होइ तुजा ण ॥ ऐ सेबो
 तुकु गण पती ॥ तंहा दास दिन वामन ।
 भव भय वीता सोहन ॥ पदि जा ना आ
 शय मीन मर तसीर या ॥ २ ॥



 हंत य भुग्यो -
 ल त व पाया ॥ ६ ॥ मज दिन आ गी कारा
 वे ज नम रण चुक बावे ॥ रा वीट आ
 रुया सं सारा ॥ चरणी ध्या वा मज
 थारा ॥ ३ ॥ या हुन न तु गेहु जे का हि
 ॥ चरण सं गदे तु व ला ही ॥ ४ ॥ दिना
 नाथा क्रपाकरा ॥ मागे पाइ वा मन था

the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Bishwantrao Onnavaan Pratishthan
 Joint Project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Bishwantrao Onnavaan Pratishthan
 Number: ५८५



मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००९ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com